

चुनरी स्त्री. (देश.) 1. लाल रंगा हुआ कपड़ा जिस पर सफेद या दूसरे रंग की बूटियाँ बनी हों 2. लाल रंग के एक नंग का छोटा टुकड़ा, चुननी।

चुनवाँ पुं. (देश.) 1. लड़का, शागिर्द 2. चुना हुआ, चुनिंदा, बढ़िया।

चुनवाना स.क्रि. (देश.) चुनने का काम कराना।

चुनांचे अव्य. (फा.) इसलिए, वास्ते, अतः।

चुनाई स्त्री. (देश.) चुनने की क्रिया या भाव, दीवार की जोड़ाई।

चुनाव पुं. (देश.) 1. चुनने का काम 2. किसी पद या कार्य विशेष के लिए पसंद किया जाने वाला काम प्रयो. इस वर्ष संसद का चुनाव बहुत अच्छा हुआ है 3. बहुमत के आधार पर किसी को चुनना।

चुनावट स्त्री. (देश.) चुनन, चुनट।

चुनिंदा वि. (फा.) 1. चुना हुआ, छंटा हुआ 2. बहुतों में से पसंद किया हुआ, अच्छा, बढ़िया 3. गण्य-मान्य, प्रधान खास-खास।

चुनियागोंद पुं. (देश.) ढाक का गोंद।

चुनी स्त्री. (तद्.) 1. रत्न का छोटा टुकड़ा 2. मोटे अन्न या दाल का पीसा हुआ चूर्ण जिसे प्रायः गरीब लोग खाते हैं 2. ओढ़नी।

चुनौटी स्त्री. (देश.) डिबिया की तरह का बर्तन जिसमें पान लगाने या तंबाकू में मिलाने के लिए गीला चूना रखा जाता है।

चुनौती स्त्री. (देश.) 1. बढ़ावा 2. युद्ध 3. शास्त्रार्थ आदि के लिए आह्वान, ललकार (देना) 4. उत्तेजना 5. प्रचार।

चुन्नी स्त्री. (तद्.) 1. माणिक या रत्न का छोटा टुकड़ा 2. अनाज का चूर, भूसी मिले अन्न के टुकड़े 3. स्त्रियों की चट्‌दर, ओढ़नी 4. लकड़ी का बारीक चूरा जो आरी से चीरने पर निकलता है।

चुप स्त्री. (तत्.) मौन, खामोश।

चुपका वि. (देश.) 1. मौन, खामोश 2. घुन्ना।
मुहा.- चुपके से-शांत भाव से, गुप्त रूप से।

चुपकी स्त्री. (देश.) खामोशी।

चुपचाप क्रि.वि. (देश.) मौन, खामोश।

चुपड़ना स.क्रि. (देश.) 1. तेल, घी या दूसरी तरल चीज लगाना, पोतना 2. दोष छिपाना 3. चापलूसी करना, खुशामद करना।

चुपड़ा पुं. (देश.) कीचड़ से भरी आँखों वाला।

चुपड़ी स्त्री. (देश.) 1. घी लगाई सादी रोटी 2. चिकनी बात, प्रिय वचन।

चुपरना स.क्रि. (देश.) दे. चुपड़ना।

चुप्पा वि. (देश.) जो बहुत कम बोले, चुप रहने वाला, घुन्ना।

चुप्पी स्त्री. (देश.) मौन, खामोशी।

चुबलाना स.क्रि. (देश.) किसी चीज को मुँह में रखकर जीभ से थोड़ा हिलाते-डुलाते हुए स्वाद लेना।

चुभकाना स.क्रि. (देश.) पानी में गोता देना, बार-बार पकड़कर डुबाना जिससे मुँह से चुभ-चुभ शब्द निकले।

चुभकी स्त्री. (देश.) 1. डुबकी, गोता 2. चुभकने की क्रिया या भाव।

चुभना स.क्रि. (देश.) घँसना, नुकीली चीज का भीतर घुसना, मन में बसना, खटकना, सालना प्रयो. उसकी बात मेरे दिल में चुभ गई।

चुभर-चुभर पुं. (देश.) बच्चों के दूध पीने की आवाज।

चुभवाना स.क्रि. (देश.) चुभाने का कार्य दूसरे से कराना।

चुभीला वि. (देश.) 1. नुकीला 2. मन में चुभने वाला 2. मन को आकर्षित करने वाला।

चुभोना स.क्रि. (देश.) चुभाना, ऐसी क्रिया करना जिससे नुकीली चीज या उसका सिरा अंदर घँसे।

चुमकार स्त्री. (देश.) पुचकार, चूमने का सा शब्द जो प्यार दिखाने के लिए निकालते हैं।